महत्वपूर्ण एवं खास

कई यात्री ट्रेनें फिर हुई रद्द

रायपुर (आरएनएस)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के भाटापारा-हथबंध सेक्शन में अधोसंरचना विकास के तहत रोड अंडर ब्रिज निर्माण के लिए 26, 27 और 29 सितंबर को ट्रैफिक कम पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इस अवधि में रिलीविंग गर्डर की लांचिंग के कारण कुछ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। इस दौरान कुछ लोकल ट्रेनों को रद्द किया गया है और कुछ ट्रेनें देरी से रवाना होंगी।

रद्द होने वाली ट्रेन :- 26 सितंबर को गाड़ी संख्या 08727 बिलासपुर-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द।

26 और 29 सितंबर को गाड़ी संख्या 08719 बिलासपुर-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द। 27 सितंबर को गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-रायपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द। 27 सितंबर को गाड़ी संख्या 08275 रायपुर-जूनागढ़ रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द। 28 सितंबर को गाड़ी संख्या 08276 जूनागढ़-रायपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द। 28 सितंबर को गाड़ी संख्या 08280 रायपुर-कोरबा पैसेंजर स्पेशल रद्द। 29 सितंबर को गाड़ी संख्या 08728 रायपुर-बिलासपुर मेमू स्पेशल रद्द। 29 सितंबर को गाड़ी संख्या 08734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू स्पेशल रद्द। 29 सितंबर को गाड़ी संख्या 08733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू स्पेशल रद्द।

अब 6 अक्टूबर को होगी प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती परीक्षा

व्यापम ने जारी की संशोधित तिथि

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के लिए प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती की लिखित परीक्षा अब 06 अक्टूबर 2024 को ली जाएगी। पूर्व में इस लिखित परीक्षा का आयोजन 29 सितम्बर को होना था, जिसे अपरिहार्य कारणों से संशोधित कर 06 अक्टूबर कर दिया गया है। उक्त परीक्षा 06 अक्टूबर को निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में अपरान्ह 2 से 4.15 बजे तक होगी।

टीकाकरण के तीन माह बाद दूधमुंह बच्ची की मौत

अंबिकापुर-रायपुर (आरएनएस)। मैनपाट में टीकाकरण के बाद तीन माह की दूधमुही बच्ची की मौत हो गई. परिजनों का कहना है कि टीकाकरण के पहले उनकी बच्ची स्वस्थ थी. बच्ची की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग में हडक़ंप मचा हुआ है. मैनपाट के ग्राम परपटिया निवासी सेहत राम मंझवार के तीन महीने के बेटी नैना को मंगलवार को टीका लगाया गया था. सेहत राम ने बताया कि रात में सोने के बाद सुबह उठकर देखा तो बच्ची की मौत हो गई थी. उसे नहीं मालूम की किस बीमारी से बचाव के लिए उसकी बेटी को टीका लगाया गया था। बेटी की मौत की खबर के बाद सुबह उसके घर डॉक्टर आया था, उसने बच्चे की कमजोरी को कारण बताया था. पिता ने बच्चे के मौत के लिए जिम्मेदार पर कार्रवाई की मांग की है. बच्चे की मौत की खबर से हरकत में आए स्वास्थ्य विभाग ने बच्चे के शव का पोस्ट मार्टम करने के बाद बिसरा और ब्लड सैंपल को सुरक्षित रखा है, जिसे जांच के लिए रायपुर भेजे जाने की बात कही गई है. मामले में सीएमएचओ डॉ. प्रेम सिंह मार्को का कहना है कि श्वांस नली में दूध के रूकने की वजह से बच्ची की मौत हुई है।

गधरी पुलिया के पास अधेड़ की हत्या

रायगढ़-रायपुर (आरएनएस)। जिले के एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. गधरी पुलिया के पास एक घर में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है. घटना से इलाके में हडक़ंप मच गया है. मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. वहीं घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया है. यह मामला जूट मिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक घर में बल्लू तिवारी (60 वर्ष) की हत्या कर दी गई. बताया जा रहा है कि देर रात कुछ अज्ञात आरोपियों ने घर में घुसकर अधेड़ की हत्या कर दी. मोहल्ले वासियों के मुताबिक मृतक ब्याजी का कार्य करता था बहुत लोग उसके पास ब्याज में पैसा लेने आते थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संभवत: ब्याज में पैसा लेने आया कोई व्यक्ति ही मृतक के पास पहुंचा होगा.

अबूझमाड़ के घने जंगलों में सुरक्षा बलों की ऐतिहासिक जीत, तीन बड़े नक्सली ढेर

अबूझमाड़ | आरएनएस

अबूझमाड़ यह नाम सुनते ही घने जंगलों, कठिन पहाडिय़ों और वहां छिपे खतरनाक नक्सलियों का ख्याल आता है। जहां आम इंसान का पहुंचना मुश्किल होता है, वहां सुरक्षा बलों ने एक बड़ा कारनामा कर दिखाया है। छत्तीसगढ़ का यह दुर्गम इलाका वर्षों से नक्सलियों का अड्डा बना हुआ था, पर अब हालात बदलने लगे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चलाए गए माड़ बचाओ अभियान ने इस इलाके में शांति की एक नई उम्मीद जगाई है। सुरक्षा बलों ने सात दिनों तक चले एक लंबे और चुनौतीपूर्ण अभियान में न केवल नक्सलियों को करारा जवाब दिया, बल्कि उनके सबसे बड़े नेताओं में से तीन को भी खत्म कर दिया।

यह मुठभेड़ 23 सितंबर 2024 को अबूझमाड़ के परादी के जंगलों में शुरू हुई, जब सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर नक्सलियों के एक बड़े समूह को घेर लिया। सुरक्षा बलों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने को कहा, परंतु नक्सलियों ने जवाब में गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद, सुरक्षा बलों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया और रुक-रुक कर चली मुठभेड़ में तीन कुख्यात नक्सली मारे गए। इनमें सबसे प्रमुख डीकेएसजेडसी के रूपेश थे, जिन पर ?25 लाख का इनाम था। उनके साथ डीव्हीसीएम जगदीश और महिला नक्सली सरिता उर्फ बसंती भी मारे गए, जिन पर क्रमश: ?16 लाख और ?8 लाख का इनाम था।

सात दिन का संघर्ष और नक्सलियों का पतन- अबूझमाड़ में 124 घंटों तक चले इस सर्च ऑपरेशन में डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की टीमें शामिल थीं। यह अभियान नारायणपुर, कोण्डागांव और दंतेवाड़ा जिलों में एक साथ संचालित हुआ। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए, जिनमें एके-47, इंसास, एसएलआर, और बीजीएल लॉन्चर जैसे अत्याधुनिक हथियार शामिल थे।

मारे गए नक्सलियों में रूपेश सबसे खतरनाक था। उस पर 66 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें 2009 का मदनवाड़ा हमला भी शामिल था, जिसमें 29 जवान शहीद हुए थे। जगदीश, डीव्हीसीएम, पर 43 से ज्यादा मामले दर्ज थे, और सरिता नक्सली कंपनी नंबर 10 की प्रमुख सदस्य थी।

मुख्यमंत्री का नेतृत्व: सतत समीक्षा और विकास की दिशा- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का नेतृत्व नक्सल विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं इन अभियानों की निरंतर समीक्षा कर रहे हैं, और हर कदम की बारीकी से निगरानी करते हैं। पुलिस अधिकारियों से समय-समय पर फीडबैक लेकर, साय ने यह सुनिश्चित किया है कि हर अभियान नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक साबित हो। उनका उद्देश्य स्पष्ट है—नक्सल प्रभावित इलाकों को आतंक से मुक्त कर, वहाँ शांति और सुरक्षा का वातावरण स्थापित करना। मुख्यमंत्री ने कहा, हम अबूझमाड़ और अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को पूरी तरह से मुक्त करेंगे, ताकि वहाँ के लोगों को विकास और स्थिरता का अनुभव हो।

मुख्यमंत्री साय का ध्यान केवल सुरक्षा अभियानों तक सीमित नहीं है। वह इन इलाकों में विकास कार्यों को भी अत्यधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। सडक़ निर्माण, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को तेज़ी से लागू करने के लिए उन्होंने विशेष निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री की मॉनिटरिंग- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार छत्तीसगढ़ में चला जाए नक्सली अभियान और इन क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री से ले रहे हैं। शाह ने कहा था कि नक्सलियों के पास अब दो ही रास्ते बचे हैं—या तो वे आत्मसमर्पण करें या सुरक्षा बलों की कार्रवाई का सामना करें। उनका यह बयान नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने और शांति की राह अपनाने के लिए प्रेरित करने वाला है, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा की दिशा में सकारात्मक बदलाव आ सके।

ग्रामीणों में उमंग और नक्सलियों की हार- अबूझमाड़ की इस ऐतिहासिक मुठभेड़ ने वहां के ग्रामीणों को एक नई आशा दी है। नक्सल आतंक के साए में जी रहे लोग अब अपनी आजादी और विकास की उम्मीद में जी रहे हैं। सुरक्षा बलों के इस साहसिक अभियान ने साबित कर दिया है कि नक्सलियों का अबूझमाड़ में अब टिक पाना असंभव है।

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पी. ने बताया कि इस वर्ष बस्तर क्षेत्र में 157 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं, 663 को गिरफ्तार किया गया है, और 556 ने आत्मसमर्पण किया है। अबूझमाड़ में नक्सलियों की कमर टूट चुकी है और बहुत जल्द यह क्षेत्र पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जाएगा।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग की प्रदेश स्तरीय बैठक बिलासपुर में संपन्न

❒ प्रदेश भर के पदाधिकारियों की रही उपस्थिति

रायगढ़

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग की प्रदेश स्तरीय बैठक दिनांक 24 सितंबर को बिलासपुर में होटल जीत कांटिनेंटल में प्रदेश भर के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर महताब रॉय जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अर्चना झा जी (एडिशनल एसपी बिलासपुर) थी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल साहू जी ने किया।।

सम्मेलन में पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिलों के पदाधिकारी मौजूद थे जिसमें बस्तर एवं रायगढ़ के पदाधिकारियों की उपस्थिति मुख्य आकर्षक का केंद्र रही, आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने सम्मेलन में उपस्थित आयोग के पदाधिकारियों जो कि सुदूर अंचल से सम्मेलन में शामिल होने के लिए आए थे उनका धन्यवाद किया, उन्होंने आयोग के अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा पदाधिकारियों के मार्गदर्शन के लिए दिन रात उपलब्ध रहने की बात कही। विशिष्ट अतिथि अर्चना झा जी ने सर्वप्रथम आयोग की महिला पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति देखकर प्रफुल्लित मन से उन्हें महिलाओं के अधिकारों एवं सामाजिक कर्तव्यों के साथ मानव सेवा के लिए तन मन और धन से हमेशा समर्पित रहने के लिए कहा उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार के साथ उनकी पूरी पुलिस प्रशासन की टीम खड़ी है जब भी कभी जरूरत हो तो बेहिचक याद करें समाजिक सेवा के लिए वो हर पल तैयार मिलेंगे।

उन्होंने आगे विस्तार से पुलिस विभाग के प्रति जो नजरिया लोगो में है उसे बदलने की बात कही पुलिस प्रशासन हमेशा लोगो की भलाई के लिए काम करता है और आगे भी इसे सतत जारी रखेगी।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल साहू जी ने पूरे आयोग की टीम के वर्तमान समय में सक्रियता तथा उनके नैतिक कार्यो की प्रशंसा की तथा उन्होंने पूरे प्रदेश में आयोग की एक स्पष्ट छवि कैसे बनाई जाए इसके लिए मार्गदर्शन दिया तथा पदाधिकारियों को समाज सेवा के लिए हमेशा समर्पित रहने को कहा।।

सम्मेलन में सभी जिलों के जिलाध्यक्षों को विशेष रूप से उद्बोधन के लिए आमंत्रित किया गया जिसमें रायगढ़ जिले के जिलाध्यक्ष भगत चन्द्रा जी ने अपने उद्बोधन में मां के नाम एक पौधे की तर्ज पर उनकी पूरी समिति द्वारा 15 अगस्त को 101 पौधे रोपे गए थे उसके बारे में बताया तथा आगामी प्रदेश स्तरीय सम्मेलन रायगढ़ में आयोजित करने तथा सम्मेलन मे अपने आयोग के प्रदेश भर के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया।

रायगढ़ जिले से मुख्य रूप से प्रदेश सचिव अरुण चन्द्रा, महेंद्र चन्द्रा, सरोजनी बसंत नवरंग, जिलाध्यक्ष भगत चन्द्रा, उपाध्यक्ष गिरजाशंकर यादव, महासचिव बसंत चौधरी, सचिव रितु पांडे, मीडिया प्रभारी नीलकंठ साहू, युवा प्रदेश सचिव रमाकांत चन्द्रा, युवा जिलाध्यक्ष यादराम चन्द्रा, उपाध्यक्ष प्रभाकर चन्द्रा, रायगढ़ ब्लाक अध्यक्ष प्रफुल्ल साहू, घरघोड़ा ब्लाक अध्यक्ष राजू कुमार साहू, रायगढ़ ब्लाक उपाध्यक्ष एस कुमार, सचिव अर्जुन विश्वकर्मा, सक्ति जिलाध्यक्ष दिनेश साहू, सक्रिय सदस्य मनोज चन्द्रा शामिल रहे।

टसर कृमिपालक का बेस्ट एचिवर अवार्ड पाने वाले गणेशराम सिदार शिविर में हुए सम्मानित

सारंगढ़ बिलाईगढ़

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरीराज सिंह के हाथों रेशम पालन के क्षेत्र में टसर कृमिपालक का बेस्ट एचिवर से सम्मानित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के गणेश राम सिदार को जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में कलेक्टर धर्मेश साहू की उपस्थिति में एसपी पुष्कर शर्मा ने शॉल श्रीफल से सम्मानित किया।

पशुओं के बीमार होने पर डायल करें हेल्पलाइन 1962

❒ पशु मोबाइल मेडिकल एम्बुलेंस घर पहुंच सेवा प्रदान करेगा

सारंगढ़ बिलाईगढ़

पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित और छत्तीसगढ़ सरकार के पशुधन विकास विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई संचालित है, जिसके लिए हेल्पलाइन 1962 डायल करके पशु चिकित्सा के लिए अपना जानकारी देना होगा, जिसके बाद पशुधन मालिक के दरवाजे पर 1962 वाहन डॉक्टर सहित समय पर उपचार प्रदान करेगा।

1962 डायल के बाद जांच प्रक्रिया:

जब दिन के किसी भी समय 1962 आपातकालीन सेवा केंद्र पर पशुधन मालिक से इमरजेंसी कॉल प्राप्त होता है, तो पूछकर बेसिक जानकारी प्राप्त किया जाता है और कॉल करने वाले को उनके निकटतम सरकारी मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक/एम्बुलेंस, अस्पताल तक जानकारी प्रसारित की जाती है। कॉल सेंटर में पशु चिकित्सक आपातकाल के प्रकार का पता लगाता है और या तो ऑनलाइन मेडिकल डायरेक्शन (ओएलएमडी) प्रदान करता है या एम्बुलेंस भेजता है। पशु चिकित्सक के साथ एम्बुलेंस पशुपालक के दरवाजे तक पहुंचती है, बीमार मवेशियों की स्थिति का आकलन करती है और मौके पर ही उपचार प्रदान करती है। इस 1962 सुविधा के लिए राज्य शासन से कई कंपनी ने आपात सेवा देने के लिए अनुबंध किया है, जिसके तहत वे निरंतर काम कर रहे हैं।

शिविर में किया गया आयुष्मान पखवाड़ा की गतिविधियां

सारंगढ़ बिलाईगढ़

कलेक्टर धर्मेश कुमार के अगुवाई में विकासखंड बिलाईगढ़ के गाताडीह ग्राम में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बहुआयामी गतिविधियां आयोजित की गई। आयुष्मान पखवाड़ा अंतर्गत स्कूली बच्चों के मध्य निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं आयुष्मान भारत पर सराहनीय निबंध लिखे, जिनके विजेताओं को कलेक्टर धर्मेश साहू के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के द्वारा पुरुस्कार प्रदान किया गया। शिविर पर आयुष्मान पखवाड़ा अंतर्गत स्थापित सेल्फी जोन में लोगों का सेल्फी लेने उत्साह देखा गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर रायकोना में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डालिका साहू निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीज के लिए फूड बॉस्केट प्रदान की। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा लगाए गए स्टाल में 101 मरीजों की उपचार, 74 लोगों का रक्तचाप व मधुमेह स्क्रीनिंग, 58 लोगों का सिकलिंग टेस्ट एवं 10 आयुष्मान कार्ड बनाकर तत्काल कलेक्टर के माध्यम से वितरण किया गया। शिविर में पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा, परियोजना निदेशक हरिशंकर चौहान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला, जिला कार्यक्रम प्रबंधक नंदलाल इजारदार, जिला प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर आयुष्मान रोशन सचदेव, विकासखंड बिलाईगढ़ के बीएमओ डॉ पुष्पेंद्र वैष्णव के साथ जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में खुले शासकीय नौकरियों के द्वार

छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में 3500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

रायपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में युवाओं की भर्ती का सिलसिला वृहद पैमाने पर शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर अब तक लगभग 8 विभागों में 3,474 पदों की भर्ती के लिए वित्त विभाग ने अपनी मंजूरी दे दी है। खाली पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को लेकर कमोबेश सभी विभाग प्रस्ताव बनाने से लेकर शासन से स्वीकृति की तैयारी में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री साय की मंशानुरूप विभागों में भर्ती की प्रक्रिया अनवरत रूप से जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वित्त विभाग से स्वीकृति मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, गृह विभाग, विधि विभाग, आदिम जाति कल्याण, वन एवं पर्यावरण विभाग अपने-अपने विभागों में भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने में लगे हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार छत्तीसगढ़ में युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार में नए अवसर प्रदान करने के लिए कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय की पहल पर ही कैबिनेट ने पुलिस विभाग सहित अन्य शासकीय भर्तियों में युवाओं के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट का लाभ भी युवाओं को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री साय की पहल पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में उप अभियंता (सिविल) के 118, उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) के 10 पदों सहित 181 पदों पर भर्ती की मंजूरी वित्त विभाग ने दी है। इसी तरह गृह विभाग में सूबेदार, उप पुलिस निरीक्षक, प्लाटून कमांडर, नगर सैनिक सहित कुल 806 पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग से स्वीकृति मिली है। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत चिकित्सा अधिकारी, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, स्टॉफ नर्स सहित अन्य संवर्ग के 1201 पदों पर स्वीकृति के साथ ही छत्तीसगढ़ विधानसभा में सहायक मार्शल के पदों तथा आदिम जाति कल्याण विभाग में छात्रावास अधीक्षक के 300 पदों भर्ती की प्रक्रिया जारी है। वन विभाग में वन रक्षक सहित अन्य संवर्ग के कुल 66 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग आजीविका मिशन के अंतर्गत विभिन्न संवर्ग के 237, विधि विभाग के अंतर्गत न्यायालयों में व्यवहार न्यायाधीश सहित अन्य संवर्ग के कुल 362 पदों पर तथा कृषि विभाग के अंतर्गत 321 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी की भर्ती का रास्ता खुल गया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

राष्ट्रीय अभियान स्वच्छता ही सेवा के तहत न्यायालय परिसर का किया गया साफ-सफाई

रायगढ़

छ.ग. उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार तथा महात्मा गांधी के जन्म दिवस 02 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा दिवस के रूप में मनाये जाने के लिये निर्देश प्राप्त हुए है। इस अभियान के तहत जिला न्यायालय परिसर रायगढ़ में अध्यक्ष/प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण ने अध्यक्ष/प्रधान न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार जैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायगढ़ के नेतृत्व में न्यायालय परिसर की साफ -सफाई की गई तथा वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर प्रधान जिला न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार जैन द्वारा सभी को संबोधित करते हुये स्वच्छता ही सेवा के महत्व को बताते हुये कहा जीवन में साफ -सफाई का होना अत्यन्त आवश्यक है, साफ -सफाई न केवल अपने घर की कार्यस्थल की वरन अपने मन की सफाई करनी चाहिए। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है अत: अपने घर और कार्यस्थल पर हमेशा साफ -सफाई बनाये रखना जरूरी है।

इसके साथ ही उन्होनें उपस्थित सभी जनों को स्वच्छता एवं साफ -सफाई बनाये रखने के लिए शपथ दिलाई, स्वच्छता ही सेवा के महत्वपूर्ण अभियान में मुख्य रूप से परिवार न्यायालय के न्यायाधीश प्रबोध टोप्पो, अन्य समस्त न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण तथा न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वच्छता ही सेवा अभियान में न्यायाधीशगणों के द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

न्यायाधीशों एवं विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा की निकाली गई विशेष रैली

स्वच्छता अभियान को और बेहतर तथा सजग बनाने के लिए इसमें स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय चक्रधर नगर रायगढ़ के बच्चों के साथ स्वच्छता का संदेश देने के लिये स्वच्छता रैली निकाली गई। जिसमें स्कूली बच्चों ने स्वच्छता के संबंध में नारे लगाते हुए शहर वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस रैली में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अनिल कुमार शराफ एवं समस्त व्याख्यतागण व सहायक शिक्षकगण, न्यायालीन कर्मचारीगण तथा पैरालीगल वालिंटियरगण ने विशेष सहयोग प्रदान किया।